

**SHRI VAYALAR RAVI:** Mr. Speaker, Sir, I would like to draw your kind attention to the news item in the *Hindustan Times* dated 22nd March, wherein my name and that of Mr. Saugata Roy have been clubbed in the group of Congress-I. The heading of the news item reads like this: "Congress-I MP's words 'undignified'". Sir, you might have read this. Sir, it has been mentioned that certain remarks made were undignified. I have not made any undignified remark on the floor of the House and putting my name and the name of Mr. Saugata Roy gives an impression that we have also made certain remarks on the floor of the House which were undignified. No other paper has given this. Sir, this kind of false and misleading reports should not appear and this affects the prestige and honour of the Members of this House.

In this connection, I am also to bring to your kind notice one more point, that is your Secretariat is keeping top secret the list of the Members belonging to the Congress-I party. It is necessary that this thing should be made clear to the Press also so that they may know who belongs to which party. There is nothing secret about this list. The list should be made public and it should also be made available to the Press.

**MR. SPEAKER:** I have already directed that the list of Members belonging to each group or party must be made available to the Press. I am calling for an explanation from the correspondent of the *Hindustan Times*.

श्री रूप नाथ सिंह यादव (प्रतापगढ़)  
 अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइट ग्राफ आर्डर है। आज के लिए मेरा एक तारंगिन प्रश्न संख्या 6506 इस सम्बन्ध में था कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के हिन्दी अनुवाद को ठीक कर के द्वांबारा छपाया जाये क्योंकि उसके दसवें पैराग्राफ के हिन्दी अनुवाद

में पिछड़े वर्ग के आयोग के बारे में कहीं गई बात बिल्कुल गायब है। प्रश्नोत्ती के अभिभाषण के दसवें पैराग्राफ में उसके बारे में जो कुछ है वह हिन्दी अनुवाद में बिल्कुल गायब है, इसलिए उसको दोबारा छपा कर वितरित किया जाय।

**MR. SPEAKER:** It is not a point of order. Please come and discuss the matter, with me. Mr. Vasant Sathe.

**SHRI VASANT SATHE (Akola):** I shall give my 377 notice in writing; can you kindly call me later?

12.41 hrs.

#### MATTERS UNDER RULE 377

##### (i) REPORTED SHORTAGE OF CEMENT, FERTILISERS AND IRON IN ORISSA

**MR. SPEAKER:** Shri Sarat Kar.

**SHRI SARAT KAR (Cuttack):** There is acute shortage of cement, fertiliser and iron in Orissa. Though there are more factories than one, still the commodities are not available and if at all they are available, they are sold in the blackmarket. Therefore, the housing schemes for low and middle income groups have had to be stopped and due to the shortage of fertilisers the rabi crop is suffering. Therefore, I urge that the Ministers of the Central Government should intervene in this matter.

##### (ii) REPORTED CONSTRUCTION OF A PCCA ROAD BY CHINA ON THE EASTERN BORDER OF INDIA

श्री एस० एस० सोमानी (बिलीङ्गढ) :  
 अध्यक्ष महोदय, मैं सभा का ध्यान एक बहुत ही गंभीर मामले की ओर आकषित करना चाहता हूँ। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा से सम्बन्धित है। सन् 1962 की गलती फिर से न हो जाये इसलिए मैं इस तरह सदन का

धीर रक्षा मंत्री का ध्यान आकर्षित कर रहा हूँ :

मुझे यह जानकारी मिली है कि चीन ने हमारी पूर्वी सीमा के निकट पहले कच्ची धीर अथ बिलकुल पक्की सड़क बना ली है। पहले इस सड़क पर केवल जीप चलती थी, परन्तु अभी वहाँ पर भारी के भारी वाहनों की गतिविधियाँ देखी गई हैं। यह सड़क साकारिक दृष्टि से हमारी आखरी सैनिक चौकी "कीबूतु" के बिलकुल नजदीक तक बना ली गई है।

सन् 1962 की भारत चीन लड़ाई के बाद ही हमें मालूम हुआ था कि कश्मीर की तरफ चीन ने पहले ही कोई सड़क "अक्सार्ड चीन" में बना ली है।

इस सड़क के कारण हमारी सेना के लोगों में चिन्ता पैदा हो गई है और वे लाग निराशा अनुभव कर रहे हैं।

क्या रक्षा मंत्री जी सम्पूर्ण राष्ट्र को वस्तुस्थिति का जानकारी देगे ?

(111) REPORTED SUPPLY OF BAD QUALITY OF WHEAT BY FOOD CORPORATION OF INDIA

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय (मदनौर).

अध्यक्ष महोदय खाद्य निगम व त्रिभुवन राज्यो में स्थित गोदामों में इस समय जा गेहूँ दिया जा रहा है वह अत्यन्त ही खराब और सड़ा हुआ गेहूँ दिया जा रहा है विशेष कर राजस्थान और मध्य प्रदेश में। उस गेहूँ को मनुष्य तो क्या पशु भी खाना पसंद नहीं करेगे। किन्तु वैसा ही गेहूँ वहाँ पर बार-बार आपत्ति किए जाने पर भी खाद्य निगम के अधिकारियों द्वारा दिया जा रहा है। यह अत्यन्त दुख की बात है और मुझे कहते हुए अत्यन्त दुख होता है कि जब राजस्थान राज्य सरकार के अधिकारियों ने व मध्य प्रदेश राज्य के अधिकारियों ने और विशेष कर रतलाम जिले के अधिकारियों ने इस गेहूँ को लेने से इनकार किया

तो खाद्य निगम के अधिकारियों ने कहा कि लेना हो तो यही गेहूँ लेना पड़ेगा, यदि खिलाना है तो यही गेहूँ खिलाना पड़ेगा। जब अधिकारियों ने 'यह' कहा कि इस प्रकार प्रकार के गेहूँ के खिलाने में रोगों के होने की सम्भावना है और यह जन-जीवन के साथ खिलवाड हो रहा है तब भी खाद्य निगम के अधिकारियों ने इस बात की कोई चिन्ता नहीं की। मैं केन्द्रीय सरकार के खाद्य मंत्री का ध्यान इस प्रकार आकर्षित करना चाहता हूँ कि वे तुरन्त इस प्रकार का आदेश देने की कृपा करें जिससे एकरी आई से दिया जाने वाला गेहूँ जो सस्ते अनाज की दूकानों द्वारा वितरित किया जाता है जहाँ पर कोई पैसे वाला गेहूँ लेने नहीं आता, गरीब और मध्यम वर्ग के लोग ही वहाँ से गेहूँ लेते हैं तो उन के जीवन के साथ खिलवाड न किया जा कर उन्हें अच्छा गेहूँ वहाँ उपलब्ध किया जाय। यद्यपि रतलाम स्थित एफ० सी० आई० के गाडाउन में अच्छा गेहूँ उपलब्ध है किन्तु वह वहाँ उपलब्ध नहीं किया जा रहा है। मैं चाहूँगा कि उक्त मामल का गम्भीरता में ले कर खाद्य मंत्री इस की व्यवस्था करें और सदन का भी उम के बारे में साँझी बातचीत में अवगत कराने की गुहार।

(1V) REPORTED ATTACK ON DEMONSTRATORS IN FRONT OF PRIME MINISTER'S RESIDENCE

SHRI VASANT SATHE (Akon)  
I wish to draw the attention of the House to a serious matter of public importance about the brutal attack on peaceful demonstrators in front of the Prime Minister's residence on March 19, 1978

The hon Prime Minister, Shri Morarji Bhai, is known for his views, as stated by him as late as on 25th June, 1975, a few hours before his arrest, in an interview to the correspondent of L'Europeo, an Italian newspaper. Shri Desai while giving a graphic dis-